सीम्स अस्पताल में संक्रामक रोगों का ईलाज

- एमडीआर जीव, एचआईवी और एड्स, क्षयरोग, समुदाय द्वारा अधिग्रहीत/प्राप्त संक्रमण, बिगड़ी हुई प्रतिरक्षा प्रणाली वाले मरीज़ो में होने वाले संक्रमण, उष्णकटिबंधीय संक्रमण आदि जैसे संक्रामक रोगों के इलाज में विशेषज्ञता वाले संक्रामक रोग विशेषज्ञ की २४ घंटे की उपस्थिति ।
- अस्पताल में दाखिल होने की वजह से होने वाले संक्रमण और आईसीयु के मरीज़ो में होने वाले गंभीर संक्रमण का इलाज ।
- स्वस्थ एवं उन लोगों का टीकाकरण जिनकी प्रतिरक्षा प्रणाली में क्षय है ।
- यात्रा के समय जरुरी स्वास्थ्य संबंधित सतकर्ता के बारे में सलाह ।
- अस्पताल में संक्रमण नियंत्रण नीतियों का सख्त कार्यान्वयन ।
- रोगाणुरोधी कार्यवाहक का अभ्यास ।

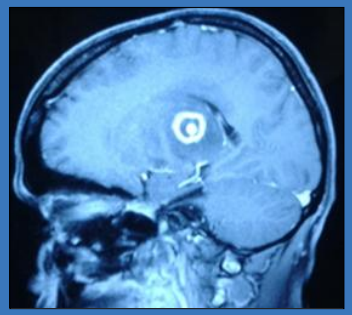

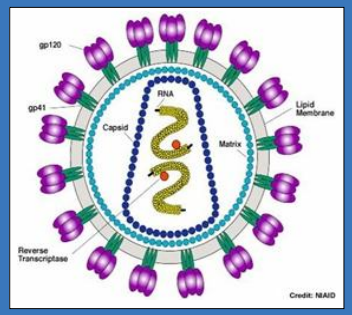

डॉ. सुरभि मदान

एमडी, जनरल मेडिसिन,

फैलोशिप इन इूफेक्सियस डिसीज (संक्रामक रोग)

इन्फेक्सियस डिसिज (संक्रामक रोग) कन्सलटन्ट

मोबाईल : +91-97129 71863

ईमेल : surabhi.madan@cims.org

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

Joint Commission International | NABH | NABL Certificate No. MC-3049

सीम्स अस्पताल

रजी. ओफिस : प्लोट नं. **67/1**, पंचामृत बंगलो के सामने,
शुकन मोल के पास, सायन्स सीटी रोड, सोला, अहमदाबाद - **380060.**

फोन : **+91-79-2771 2771-75** फेक्स : **+91-79-2771 2770**

अपोइन्टमेन्ट के लिये फोन : +91-79-2772 1008
मोबाईल : +91-98250 66661 ईमेल : opd.rec@cimshospital.org

24 X 7 मेडीकल हेल्पलाईन +91-70 69 00 00 00

सीम्स अस्पतालकी अेप्लीकेशन उपलब्ध है।

Google play | App Store

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN : U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.org | www.cims.org

एम्बयुलन्स और आपातकालीन सेवायें : +91-98244 50000, 97234 50000

सीम्स ईन्फेक्शीयस (संक्रामक) रोग

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

Joint Commission International | NABH | NABL Certificate No. MC-3049

संक्रामक रोग मतलब क्या?

संक्रामक रोग (इन्फेक्सीयस डिसीज-आईडी) यानि वह रोग जो संक्रमण फैलाने वाले जीव-जंतुओ (एजेंट्स) जैसे की बैक्टीरिया, वायरस, कवक और परजीवी के कारण फैलता है ।

इन रोगो की विशेषता यह है कि इनके इलाज के लिए हर चिकित्सा शाखा (मेडिकल स्पेश्यालिटी) की जरुरत पडती है । जबकि अन्य प्रकार के रोग लगभग समान रहते हैं, संक्रामक रोग, उनके रोगाणुओ, माध्यमों और रोगोणुरोधी एजन्टो में परिवर्तन के कारण, तेजी से विकसित होते है ।

अधिकतर संक्रामक रोगों का इलाज हो सकता है यदि उनका निदान, समय पर और ठीक से किया जाता है, और उचित रुप से इलाज किया जाता है ।

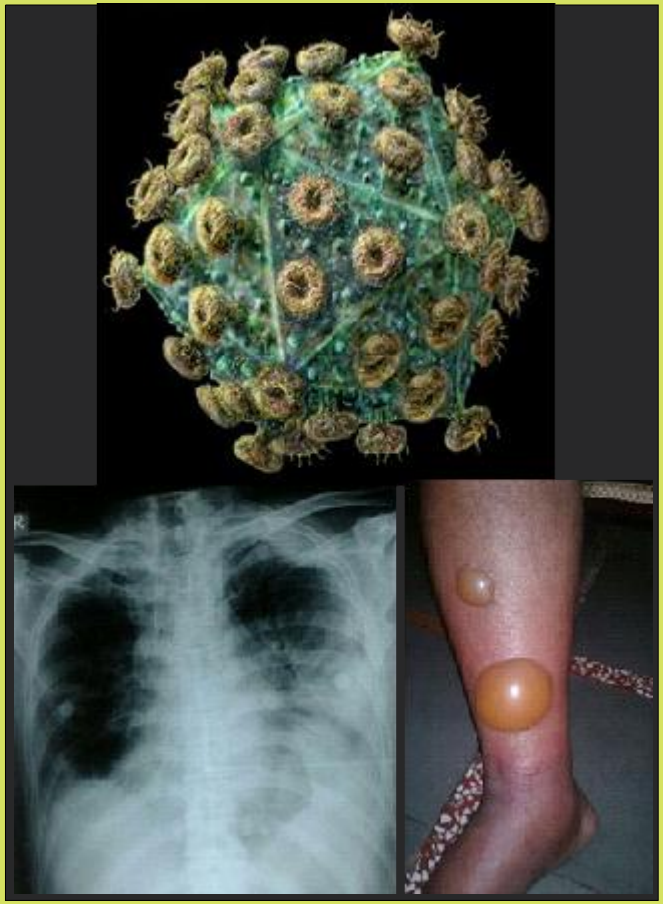

संक्रामक रोगों के विशेषज्ञ की भूमिका

संक्रामक रोगों के विशेषज्ञ की भूमिका नीचे वर्णित संक्रामक रोगों के व्यवस्थित प्रबंधन में महत्वपूर्ण है :

- एमडीआर और एक्सडीआर क्षय रोग
- एचआईवी मरीज़ों में होने वाले संक्रमण
- उभरते उष्णकटिबंधीय और वायरल संक्रमण
- बिगडी हुई प्रतिरक्षा प्रणाली वाले मरीज़ों में होने वाले संक्रमण जैसे नोकार्डिया, म्यूकोर, एस्पिरगिलस, क्रिप्टोकोकस, साइटोमैगलियोवायरस, न्यूमोकिस्टीकस आदि ।
- अत्यधिक प्रतिरोधी कीड़ों के कारण होने वाले संक्रमण

एन्टीबायोटीक प्रतिरोध में लगातार वृध्धि और साथ ही साथ उम्र, जीर्ण रोग, कैंसर कीमोथेरेपी, अंग प्रत्यारोपण आदि जैसे कारणो की वजह से बिगडी हुई प्रतिरक्षा प्रणाली वाले मरीज़ो की संख्या में होने वाली वृध्धि के कारण संक्रामक रोगों को चिकित्सा क्षेत्र में एक अनिवार्य विशेषता बना दिया है ।

प्रतिरक्षण

- संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए टीकाकरण : आज के वैश्वीकरण के युग में, बढती जीवन प्रत्याशा, बिगडी हुई प्रतिरक्षा प्रणाली वाले मरीज़ो की संख्या में होनेवाली वृध्धि, प्रवासन और अंतरराष्ट्रीय यात्रा में वृध्धि, जैसे कारणो की वजह से टीकाकरण (वक्सीनेशन) अत्यंत महत्वपूर्ण है ।
- किसको टीका नहीं दिया जाना चाहिए : यह जानकारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी कि यह जानकारी की किसको टीका दिया जाना चाहिए ।
- समय पर और पूर्ण टीकाकरण कई जानलेवा संक्रमणो के खिलाफ सुरक्षा सुनिश्चित करता है और उनके इलाज में शामिल होने वाले बहुत सारे पैसे और जनशक्ति का व्यय होने से बचता है ।

यात्रा चिकित्सा

यात्रा चिकित्सा खास उन यात्रियों की सेहत के लिए है जो विदेशी देशों में जाते है । यह एक ऐसी अंत-विषय विशेषता है जो न सिर्फ यात्रा के दौरान संक्रामक रोगो की रोकथाम से, बल्कि यात्रियों की व्यक्तिगत सुरक्षा और पर्यावरणीय जोखिमों के निवारण से भी संबंधित है ।

चिकित्सा शाखा में यात्रा से पहले किया जानेवाला मूल्यांकन, यात्रा से पहले दी जानेवाली चिकित्सा सलाह, यात्रियों की प्रतिरक्षण और यात्रा से वापिस आने पर जरुरी देखभाल शामिल है ।

संक्रमण नियंत्रण और रोगाणुरोधी संचालक

हमारे देश के अधिकांश अस्पतालों में मरीज़ो की देखभाल में संक्रमण नियंत्रण के पहलू को हमेशा नजरअंदाज किया गया है । इस वजह से, अस्पताल में दाखिल होने की वजह से होने वाले संक्रमण में तेज वृध्धि हुई है और मरीज़ों की देखभाल सही तरीके से नहीं हो पाती है । एन्टीबायोटिक दवाओं के दुरुपयोग की वजह से, संक्रमण फैलाने वाले किटाणु बहुत सारी एन्टीबायोटिक दवाओं के प्रतिरोधी हो गई हैं और इनकी मात्र दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है । इस वजह से मरीज़ों के इलाज के लिए उपलब्ध एन्टीबायोटिक दवाओं की संख्या सीमित कर दी है । इस वजह से खर्चा बहुत बढ़ जाता है ।